



दो दिवसीय कार्यशाला
सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की पूर्ति में अन्तर्स्थलीय मत्स्य पालन और जल
कृषि की भूमिका
दिनांक: 10-11 सितम्बर, 2024

Hindi Workshop
**“Role of Inland Fisheries and Aquaculture in Achieving Sustainable
Development Goals (SDGs)”**
Date: 10-11 September, 2024



आयोजन स्थल
भाकृअनुप-केन्द्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यकी अनुसंधान संस्थान
आई एस ओ 9000 : 2015 प्रमाणित संगठन
बैरकपुर, कोलकाता - 700 120, पश्चिम बंगाल

Venue
ICAR-Central Inland Fisheries Research Institute
ISO 9000 : 2015 Certified Organization
Barrackpore, Kolkata - 700 120, West Bengal

संस्थान का संक्षिप्त विवरण

भारत सरकार ने 17 मार्च 1947 को कलकत्ता (कोलकाता) में एक केंद्रीय अन्तर्स्थलीय मत्स्य अनुसंधान केंद्र की स्थापना की। सन् 1959 में इस केन्द्र को एक पूर्ण विकसित "केन्द्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान" में पहचान दी गयी। 1967 में यह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि मंत्रालय, (वर्तमान में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय), भारत सरकार, नई दिल्ली के अधीन कार्यरत हुआ। इस संस्थान में अन्तर्स्थलीय खुला जलकृषि, जलीय जैव विविधता, पारिस्थितिकी, और कृषको के उत्थान पर कार्य होता आ रहा है। यह संस्थान बैरकपुर, पश्चिम बंगाल में स्थित है जिसके देश में चार प्रमुख क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र हैं तथा एक अनुसंधान केंद्र है। यह संस्थान आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित है और विश्व स्तरीय सेवा मानक प्रदान करता है। यह संस्थान समय-समय पर कई विकसित तकनीको, और अपने उत्कृष्ट शोध कार्यों का प्रचार प्रसार करता रहता है। यह संस्थान दूसरी नील क्रांति के लक्ष्य को प्राप्त करने लिए एक मार्गदर्शक भी है।

पृष्ठभूमि और स्थान

बैरकपुर सर्वप्रथम ब्रिटिश शासन काल में सबसे पुराना सैन्य और प्रशासनिक केंद्र है और ब्रिटेन के खिलाफ प्रथम विद्रोह का गवाह बना है। बैरकपुर स्थित सैन्य छावनी और पश्चिम बंगाल पुलिस प्रशिक्षण अकादमी दोनों इस की महत्ता बयान करते हैं। बैरकपुर ट्रंक रोड, यहाँ बैरकपुर को कोलकाता से जोड़ता है। जबकि घोषपारा रोड बैरकपुर को कांचरापाड़ा और नादिया से जोड़ता है। कई बस मार्ग कोलकाता से बैरकपुर को जोड़ते हैं। बैरकपुर चिरियामोर बैरकपुर ट्रंक रोड और सुरेंद्रनाथ बनर्जी रोड के पास है। बैरकपुर दम दम हवाई अड्डे के साथ अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। उपनगरीय ट्रेन द्वारा सियालदह स्टेशन या हावड़ा स्टेशन से बैरकपुर स्टेशन; या रोड द्वारा एअरपोर्ट 35-40 मिनट लगते हैं। संस्थान के समीप शेवराफुली घाट या दोपैसा घाट है।

परिचय

भाकृअनुप-केंद्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यकी अनुसंधान संस्थान (सिफ़री) के पास पारिस्थितिकी तंत्र सहित अंतर्स्थलीय मत्स्य संसाधनों में विशेषज्ञता है। 2015 में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने सतत विकास के एजेंडा 2030 को अपनाया, जिसमें कुल 17 सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) सुझाए गए हैं। यूएन ने अलग-अलग आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय लक्ष्यों को 'कार्य योजना' के अंतर्गत एकीकृत करने की रणनीतियाँ तैयार की है। यह संस्थान एसडीजी के लक्ष्य निर्धारण पर जिसमें अन्तर्स्थलीय मछली विविधता (छोटी स्वदेशी प्रजातियाँ), मत्स्य पालन और जलकृषि प्रबंधन पर विभिन्न मात्स्यकी तकनीकों का विकास किया है। बढ़ती मांग के कारण इनके भारी दोहन से मात्स्यकी क्षेत्र को चुनौती का सामना करना पड़ता है। आईएफएसआई और एनएएस, कोलकाता (चैप्टर) के सहयोग से सिफ़री में वैज्ञानिक कार्यशाला (हिंदी) का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें शोध कार्य/विचारों और जीविकोपार्जन पर विचार विमर्श हो पायेगा।

कार्यशाला विषय

- मत्स्य पालन, जलीय कृषि और शमन रणनीतियों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव
- स्थायी मत्स्य पालन के लिए जलसम्बन्धीय स्वास्थ्य प्रबंधन
- एसडीजी प्राप्त करने के लिए अन्तर्स्थलीय मत्स्य पालन में उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ
- अन्तर्स्थलीय मत्स्य पालन के लिए ए.आई. उपकरण और मशीन लर्निंग
- सटीक जलीय खेती और मत्स्य प्रजातियों के विविधीकरण के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी

कार्यशाला के तकनीकी सत्र

द्वितीय सत्र: सतत मत्स्य पालन और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: स्वास्थ्य प्रबंधन और संचालन

प्रथम सत्र: स्मार्ट अन्तर्स्थलीय मत्स्य पालन के लिए कुशल प्रौद्योगिकियाँ: सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के लिये एआई और मशीन लर्निंग

Brief Overview of the Institution

The Government of India established a Central Inland Fisheries Research Station at Calcutta (Kolkata) on 17 March 1947. In 1959, this station was recognized as a full-fledged "Central Inland Fisheries Research Institute". In 1967, it became operational under the Indian Council of Agricultural Research, Ministry of Agriculture, (now Ministry of Agriculture and Farmers Welfare), Government of India, New Delhi. This institute has been working on inland open aquaculture, aquatic biodiversity, ecology, and upliftment of farmers. This institute is located in Barrackpore, West Bengal, which has 4 major regional research stations and 1 research center in the country. This institute is ISO 9001: 2015 certified and provides world-class service standards. This institute keeps on disseminating various developed technologies and its excellent research work from time to time. This institute is also a guide to achieve the goal of the second Blue Revolution.

Background and Location

Barrackpore is the oldest military and administrative centre under the British rule and witnessed the first revolt against Britain. The military cantonment and the West Bengal Police Training Academy located in Barrackpore both speak of its importance. The Barrackpore Trunk Road connects Barrackpore to Kolkata. While Ghoshpara Road connects Barrackpur to Kanchrapara and Nadia. Several bus routes connect Kolkata to Barrackpore. Barrackpore is near Chiriamore Barrackpore Trunk Road and Surendranath Banerjee Road. Barrackpore is well connected with Dum Dum Airport. It takes 35-40 minutes to reach Barrackpore station by suburban train from Sealdah Station or Howrah Station; or 35-40 minutes to reach the airport by road. Near the institute is Shewrafuli Ghat or Daupisa Ghat.

Introduction

ICAR-Central Inland Fisheries Research Institute (CIFRI) has expertise in inland fishery resources including ecosystems. In 2015, the United Nations (UN) adopted the Agenda for Sustainable Development 2030, which suggests a total of 17 Sustainable Development Goals (SDGs). The UN has formulated strategies to integrate various economic, social and environmental goals under a 'plan of action'. The Institute has developed various fisheries technologies on SDG target setting, including inland fish diversity (small indigenous species), fisheries and aquaculture management. The fisheries sector faces challenges due to their overexploitation due to increasing demand. A scientific workshop (Hindi) is being organized at CIFRI in collaboration with IFSI and NAAS, Kolkata (Chapter), in which discussions will be held on research work/ideas and livelihood

Workshop Themes

- Impact of Climate Change for fisheries, aquaculture and mitigation strategies
- Aquatic health management for sustainable fisheries
- Emerging technologies in inland fisheries for achieving SDGs
- AI tools and Machine learning for SMART Fisheries
- Geo-spatial technology for precision aqua farming and species diversification

Technical Sessions

Second Session: Sustainability in Fisheries and Climate Change Impact: Health Management and Governance

First Session: Efficient Technologies for SMART Inland Fisheries: AI and Machine Learning towards SDGs

लेखों का आमंत्रण

इस कार्यशाला में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी अपना पूर्ण लेख हिंदी में ई-मेल द्वारा भेज सकते हैं। लेख पूर्णतः मूल रूप में होना चाहिए और किसी भी अन्य जगह प्रकाशित या प्रदर्शित नहीं होना चाहिए। लेख के विषय, अंतर्वस्तु या लेखकों के बीच हितों के टकराव के लिए अनुरूपी लेखक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगा। लेखको से निवेदन है कि लेख का प्रारूप एम. एस. वर्ड में फॉन्ट यूनिकोड में टाइप होना चाहिए; फॉन्ट साइज़ 14; हर लाइन के बीच में 1.5 का स्पेस; अधिकतम पृष्ठ संख्या) 15-10 A4 साइज़ (होनी चाहिए; रेफरेन्सेस के लिए हमारे जर्नल ऑफ़ इनलैंड फिशरीज सोसाइटी ऑफ़ इंडिया (वेबसाइट: <http://www.ifs.org.in/>) के संरूप को अपनाये; प्रत्येक चित्र और तालिका काले और सफ़ेद रंग में, उनका शीर्षक हिंदी में और अधिकतम संख्या दोनों की 4-6 तक होनी चाहिए। रंगीन चित्रों या तालिकाओं को काले और सफ़ेद रंग में ही प्रकाशित किया जायेगा। चित्रों और तालिकाओं का किसी भी प्रकार से संक्षिप्त/विस्तार रूप से विवरण लेख में होना आवश्यक है।

शोध लेख का प्रारूप : शीर्षक (टाइटल); - लघु और सूचनात्मक होना चाहिए; लेखकों की जानकारीयाँ; सार (एबस्ट्रैक्ट) – संक्षिप्त रखे; मुख्य शब्द (कीवर्ड) की संख्या 5-6 तक; प्रस्तावना (इंट्रोडक्शन) शिक्षाप्रद होनी चाहिए, सामग्री और विधियाँ (यदि कोई हों) विस्तृत होनी चाहिए; परिणाम; चर्चा भी विस्तृत होना चाहिए; और संदर्भ (रेफरेन्सेस)- अधिकतम 10-15 संख्या तक।

पंजीकरण शुल्क – रुपये 500.00

आवेदन करने की पात्रता:

प्रतिभागी जीव विज्ञान, मत्स्य विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान या संबंधित विषय जैसे प्रासंगिक क्षेत्र से होना चाहिए। जलीय संसाधन प्रबंधन, संरक्षण, मत्स्य पालन, या नवीन जीव विज्ञान से संबंधित क्षेत्रों में वर्तमान में काम कर रहे या अध्ययनरत प्रतिभागियों को वरीयता दी जा सकती है।

आवेदन कैसे करें:

इच्छुक कर्मचारी विधिवत भरे हुए आवेदन फार्म के साथ उचित माध्यम से आवेदन निम्नलिखित पते पर कर सकते हैं।

निदेशक, भाकृअनुप-केन्द्रीय अंतर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर, कोलकाता - 700120, पश्चिम बंगाल। ईमेल – cifridirectorcell@gmail.com

लोकप्रिय लेख का प्रारूप :

शीर्षक

लेखकों की जानकारीयाँ

सार

मुख्य शब्द

प्रस्तावना

अन्य जानकारीयाँ

निष्कर्ष और

संदर्भ

Article Submission

Participants interested in attending this workshop can submit their full paper in Hindi via email. The paper must be entirely original and should not have been published or displayed elsewhere. Authors will be fully responsible for any conflicts of interest related to the topic, content, or co-authors of the paper. The paper should be formatted in MS Word, typed in Unicode font with a font size of 14, and a line spacing of 1.5. The maximum length should be 10-15 pages (A4 size). For references, follow the format of the Journal of Inland Fisheries Society of India (website: <http://www.ifs.org.in/>). Each figure and table should be in black and white, with titles in Hindi, and the maximum number of figures and tables should be 4-6. Colored figures or tables will be published in black and white only. Figures and tables must be described briefly on in detail.

Research paper format will be : Title: Should be short and informative; Author information; Abstract: Should be brief; Keywords: 5-6 keywords; Introduction: Should be educational; Materials and Methods (if any): Should be in detail; Results & Discussion: Should also be in detail; References: Maximum of 10-15; references.

Registration fee –Rs 500/-

Eligibility:

Participants should have a background in a relevant field such as biology, fisheries science, environmental science, or a related discipline. Preference may be given to individuals currently working or studying in fields related to aquatic resource management, conservation, fisheries, or molecular biology.

How to apply: Interested personnel may apply through the proper channel along with duly-filled registration form.

All correspondence may be addressed to:

The Director, ICAR-Central Inland Fisheries Research Institute, Barrackpore, Kolkata - 700120 West Bengal

Email – cifridirectorcell@gmail.com ICAR-CIFRI (<http://www.cifri.res.in>)

Popular article format:

Title

Authors information

Abstracts

Key words

Introduction

Other information

Conclusion

Reference

मुख्य संरक्षक

डा हिमांशु पाठक,

सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Chief Patron

Dr. Himanshu Pathak,

Secretary, DARE & Director General, Indian Council of Agricultural Research

संरक्षक

डा जे. के. जेना,

उप-महानिदेशक (मत्स्य पालन), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Patron

Dr. J. K. Jena,

Deputy Director General (Fisheries), Indian Council of Agricultural Research

मुख्य संयोजक

डॉ. बसन्त कुमार दास, निदेशक

संयोजक

डॉ. श्रीकान्त सामंत, श्री प्रवीण मौर्य, श्री संजीव कुमार साहू

समन्वयक

सुश्री सुनीता प्रसाद, श्रीमति सुमेधा दास

Chief Convener

Dr. B. K. Das, Director

Convener

Dr. Srikant Samanta, Mr. Praveen Maurye, Mr. Sanjeev Kumar Sahu

Coordinator

Ms. Sunita Prasad, Mrs. Sumedha Das

महत्वपूर्ण तिथियाँ

लेख भेजने की अंतिम तिथि : 15 अगस्त 2024 लेख स्वीकृति की अंतिम तिथि : 30 अगस्त 2024

Important Dates

Last date for sending articles: 15 August 2024

Last date for acceptance of articles: 30 August 2024

पत्राचार

डॉ. बसन्त कुमार दास, निदेशक

ईमेल : cifridirectorcell@gmail.com

प्रवीण मौर्य, वैज्ञानिक

ईमेल: maurye_p@yahoo.com

मोबाइल नं.: +91 9831943294

संजीव कुमार साहू, वैज्ञानिक

ईमेल: sksahu_2k@yahoo.com

मोबाइल नं. +91 8240643944

Correspondence:

Dr. Basant Kumar Das, Director

Email: cifridirectorcell@gmail.com

Praveen Maurye, Scientist

Email: maurye_p@yahoo.com

Mobile No.: +91 9831943294

Sanjeev Kumar Sahu, Scientist

Email: sksahu_2k@yahoo.com

Mobile No. +91 8240643944